PARVATHANENI BRAHMAYYA
SIDDHARTHA COLLEGE OF ARTS & SCIENCE
Autonomous
Siddhartha Nagar, Vijayawada–520010
Re-accredited at 'A+' by the NAAC

23HILAL121:HINDI-II

SEMESTER- II **60Hrs** **PAPER - II**

YEAR OF INTRODUCTION: 2023-24 **CREDITS: 03**

COURSE NAME	COURSE OUTCOMES NUMBER	COURSE OUTCOMES	PO'S
23HILAL121	CO1	कबीर और तुलसी के दोहों में व्यक्त सामाजिक संदेश जो आज के समय में भी प्रासंगिक है, विद्यार्थियों को उनसे परिचित कराना। सूर के पदों की लयात्मकता से परिचित हो पाना।	PO5
	CO2	आधुनिक काल के प्रमुख हिंदी कवियों का योगदान एवं विभिन्न साहित्यिक परंपराओं में उनके योगदान का आकलन कर सकेंगे।	PO3
	CO3	निबंध के माध्यम से विद्यार्थियों के सामाजिक ज्ञान की वृद्धि होना।	PO3
	CO4	प्रयोजन मूलक हिंदी के अंतर्गत विद्यार्थी विभिन्न सरकारी पत्रों से अवगत हो पाना।	PO5
	CO5	अनुवाद और संक्षेपण ऐसी कलाएँ हैं, जिनके अभ्यास से विद्यार्थी भाषाओं पर निपुणता हासिल कर सकेंगे।	PO5

CO-PO MATRIX

CO-PO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1					**M**		
CO2			**M**				
CO3			**L**				
C04					**M**		
C05					**H**		

SYLLABUS:

I.मध्ययुगीन कविता:

1.कबीरदास – (1-5) दोहे

2.सूरदास – बालवर्णन

3.तुलसीदास - (1-5) दोहे

II.आधुनिक कविता:

1.मातृभाषा के प्रति – भारतेंदु हरिश्चंद्र

2.भिक्षुक – सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

3.फूल की चाह – माखनलाल चतुर्वेदी

III.सामान्य निबंध:

1.विद्यार्थी और अनुशासन

2.विश्व भाषा के रूप में हिंदी

3.पर्यावरण और प्रदूषण

IV.प्रयोजन मूलक हिंदी:

1.परिपत्र

2.ज्ञापन

3.अधिसूचना

V.1.अनुवाद(अंग्रेजी से हिंदी में,हिंदी से अंग्रेजी में)

2.संक्षेपण

संदर्भ ग्रंथ:

1.काव्य दीप – श्री राधाकृष्ण मूर्ति

PARVATHANENI BRAHMAYYA
SIDDHARTHA COLLEGE OF ARTS & SCIENCE
Autonomous
Siddhartha Nagar, Vijayawada–520010
Re-accredited at 'A+' by the NAAC

II SEMESTER Model Question Paper

Course Code: 23HILAL121 **No.of Questions:13**
Title of the Paper:HINDI-II **Max. Marks: 70M**
Time: 3 Hrs. **Pass Min. : 28M**

SECTION-A

5×4=20M

निम्न लिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>पाँच</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. इस दोहे का संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।(CO1,PO5)

जाति न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ज्ञान।
मोल करो तलवार का, पडा रहन दो म्यान।।

2. इस दोहे का संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। (CO2,PO3)

तुलसी संत सुअंब तरू, फूलि फलहिं परहेत।
इतते ये पाहन हनत, उतते वे फल देत।।

3. इस दोहे का संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। (CO1,PO5)

मुझे तोड़ लेना वनमाली
उस पथ पर देना तुम फेंक,
मातृभूमि पर शीश चढ़ाने
जिस पथ जावे वीर अनेक ।

4. तुलसीदास जी का साहित्यिक परिचय दीजिए? (CO1,PO5)

5. माखनलाल चतुर्वेदी का कविपरिचय लिखिए? (CO2,PO3)

6.मातृभाषा के प्रति कविता का उद्देश्य क्या है? (CO2,PO3)

7.फूल क्या-क्या नहीं चाहते ? (CO2,PO3)

8.ज्ञापन का अर्थ क्या है? (CO4,PO5)

SECTION-B

निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

9.(a)भिक्षुक कविता का सारांश लिखिए। (CO2,PO3)
10M

अथवा

(b)मातृभाषा के प्रति कविता का सारांश लिखिए। (CO2,PO3)

10.(a).“पर्यावरण प्रदूषण” विषय पर निबंध लिखिए। (CO2,PO3)
10M

अथवा

(b).“विश्व भाषा हिंदी” विषय पर निबंध लिखिए। (CO2,PO3)

11.(a).परिपत्र की परिभाषा देते हुए इसका प्रारूप प्रस्तुत कीजिए। (CO4,PO5)
10M

अथवा

(b).अधिसूचना की परिभाषा देते हुए इसका प्रारूप प्रस्तुत कीजिए। (CO4,PO5)

12. **संक्षेपण कीजिए** (CO5,PO5)
10M

(a).राष्ट्रीयता के विकास के लिए भाषा एक अत्यंत महत्वपूर्ण तत्व है। भाषा ही एक साधन है,जिसके व्दारा मनुष्य मानव समुदाय अपने भावों को एक-दूसरे के सामने प्रकट करते हैं। जिस प्रकार पहाड़,नदी तथा समुद्र मनुष्य के आपस में मिलने – जुलने में रुकावट पैदा करते हैं,वैसे ही भाषा की विभिन्नता मनुष्यों में परस्पर संबंध स्थापित करने में बाधक होती है,मनुष्यों के विभिन्न समुदायों के अपने- अपने आदर्श ,विचार और अपनी अपनी भावनाएँ होती हैं। जिनकी अभिव्यक्ति का

साधन भी भाषा ही है।भाषा ही एक ऐसा साधन है, जिसमें मनुष्य एक दूसरे के समीप आ जाते हैं।उनमें घनिष्टता स्थापित हो जाती है। यही कारण है कि ज्यादातर एक भाषा की भावना के लिए भाषा के तत्व परम आवश्यक है।

अथवा(CO5,PO5)

(b).गाँवों में यदि कुटीर उद्योगों का विकास किया जाता तो व्यवसायोत्मुख शिक्षा की व्यवस्था होती, चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध करायी जानी तो गाँवों से नवयुवकों का पलायन रोक जा सकता ग्रामीण उद्योगों की जो दुर्दशा स्वाधीनता के बाद हुई है, वैसी दुर्दशा तो अंग्रेजी राज्य में भी नहीं थी।काठ के कोल्हुओं से शुद्ध कच्ची धानी से तेल निकाला जाता था। तेलियों की रोजगार मिलता था तथा गाँव वलों को शुद्ध तेल। सभी को संतोष था। मिट्टी के बर्तन बनाने वाले कुम्हार घर में आनेवाले बर्तन बनाते थे।शादी के दौरान जितनी मिट्टी के वर्तनों की जरूरत पड़ती, वे पूरी करने थे।काम के बदले उन्हें अनाज मिल जाता था।

13.(a).**किन्हीं <u>पाँच</u> वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए।** (CO4,PO5) 5×1=5M

1. He is sleeping.

2.The cat eats rats.

3.I will play in the match

4.She went to hospital.

5.You please sit on the chair.

6.They are going to school.

7.Climb the tree.

8.I drink coffee in the morning.

9.They left just now.

10.His sister will come tomorrow.

13.(b).**किन्हीं <u>पाँच</u> वाक्यों का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए।** (CO4,PO5) 5×1=5M

1.राम ने रोटी खायी।

2.लड़के बोल रहे हैं।

3.नदी के किनारे मंदिर है।

4.पेड वातावरण को ठंडा रखते हैं।

5.पुस्तक ज्ञान का खजाना है।

6.मानव सेवा ही माधव सेवा है।

7.विव्दान का सर्वत्र आदर होता है।

8.राजेश मंदिर जाता है।

9.बच्चे गेंद खेलते हैं।

10.भगवान पर भरोसा रखो।

*****